सुविचार

सत्य के मार्ग पर चलते हुए कोई दो ही गलतियां कर सकता है, पूरा रास्ता तय न करना और इसकी शुरुआत ही न करना।

गौतम बुद्ध

भारत में 1.17 करोड़ से अधिक पाठक (IRS 2019)

PUNJAB KESARI AMBALA

# पंजाब केसरी

अम्बाला
शनिवार, 6 अगस्त 2022
तदनुसार 22 श्रावण, विक्रमी सम्वत 2079
वीर सम्वत 2548
वर्ष 4, अंक 72
पृष्ठ 10+2+4=16
मूल्य ₹ 4.00

Saturday, 6 August 2022 www.punjabkesari.in चंडीगढ़ • जालंधर • लुधियाना • बठिंडा • पानीपत • हिसार • शिमला • पालमपुर • जम्मू • जयपुर • अजमेर से प्रकाशित जालंधर हैड ऑफिस: 0181-5067200, 2280104/7. सर्कुलेशन: 0181-5067251. Toll Free No. 18001371800

III www.punjabkesari.in गुरुग्राम केसरी / मानेसर आस-पास शनिवार SATURDAY 6 अगस्त 2022


## 'रेपो रेट्स में हुई वृद्धि से रियल एस्टेट सेक्टर पर नहीं होगा असर'

गुड़गांव, 5 अगस्त (ब्यूरो): भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रमुख ब्याज दर अर्थात रेपो रेट में 0.50 फीसदी का इजाफा करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही अब रेपो रेट बढ़कर 5.40 फीसदी हो गई है। आठ जून को हुई पिछली नीतिगत घोषणा में भी आरबीआई ने रेपो रेट में आधे फीसदी का इजाफा किया था। इससे रेपो रेट बढ़कर 4.90 फीसदी पर पहुंच गई थी। आरबीआई भी ब्याज दरों को बढ़ाने के फैसले पर गुरुग्राम के रियल एस्टेट सेक्टर के लोगों ने प्रतिक्रिया दी। रहेजा डेवलपर्स के नयन रहेजा का कहना है कि देश की इकनॉमिक हेल्थ को बहाल करने के लिए मजबूत संस्थागत कार्रवाई की जरूरत है। मुद्रास्फीति दरों को कम करने के लिए आरबीआई ने रेपो दर में 50 बेसिक पॉइंट्स की और वृद्धि करके एक अच्छा तरीका अपनाया है।

भरत कुमार, डायरेक्टर स्पेज ग्रुप ने कहा कि महंगाई के हिसाब से मार्किट में आरबीआई की ओर से 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की काफी उम्मीद थी। हालांकि, संपत्तियों की मांग के कारण रियल एस्टेट बाजार मजबूत बना रहेगा। अंकित कंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर 360 रियल्टर्स ने कहा कि केंद्रीय बैंक को एहतियाती कदम उठाने चाहिए। इस बीच, जो दिलचस्प है वह समग्र स्वस्थ अंतर्निहित आर्थिक भावना है। महामारी के बाद, भारतीय अर्थव्यवस्था आने वाली तिमाहियों में तेजी से बढ़ने की ओर अग्रसर है और यह भारतीय रियल एस्टेट उद्योग में भी सकारात्मक भावनाओं का संचार कर रहा है। कुशाग्र अंसल, डायरेक्टर अंसल हाउसिंग का कहना है कि आरबीआई द्वारा रेपो दर में 50 बीपीएस की वृद्धि मुद्रास्फीति दरों को कम करने के लिए शीर्ष संस्थान द्वारा की गई एक और सुधारात्मक कार्रवाई है। शुभम सरदाना निदेशक, एलीटप्रो के अनुसार आरबीआई के फैसले पर विविध प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं, रेपो रेट में वृद्धि आर्थिक सुस्ती और मुद्रास्फीति की समस्याओं को हल करने के प्रयासों की एक श्रृंखला में एक सुविचारित और अनुमानित उपाय है।